ध्येय पथ

अगस्त २०२४

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

पाठयोजना प्रारूप पर कार्यशाला

01 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा पाठयोजना प्रारूप विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. सन्तोष सिंह, प्राचार्य रतनसेन डिग्री कालेज, बांसी, सिद्धार्थनगर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री शैलेन्द्र सिंह तथा अतिथि स्वागत श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता ने पाठयोजना विषय पर अपने व्यक्तिगत अनुभवों को भी साझा किया।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस

01 अगस्त को प्रार्थना सभा में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के महाप्रयाण दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग की सहायक आचार्य, डॉ. अर्चना गुप्ता ने उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम

01 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01–08 अगस्त, 2024 तक चलने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

व्याख्यान कार्यक्रम

02 अगस्त को आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय जयन्ती के अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दुबे तथा आभार ज्ञापन डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

स्कूल इंटर्नशिप परिचय कार्यक्रम

02 अगस्त को बी.एड्. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्कूल इंटर्नशिप परिचय कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में किया गया। इस दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज के कक्षाओं का शैक्षिक पर्यवेक्षण किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक, प्रशिक्षु एवं सभी इंटर्नशिप कक्षा के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह का दूसरा दिन

02 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के दूसरे दिन 'क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका को प्रथम स्थान, बी. ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री श्वेता को द्वितीय स्थान तथा सुश्री रोशन जहां को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती - 03 अगस्त को प्रार्थना सभा में राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने अपने व्याख्यान के माध्यम से मैथिलीशरण गुप्त जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व स्तनपान सप्ताह का तीसरा दिन

03 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिन 'क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर 'निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तनु विश्वकर्मा ने प्रथम, बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रीना यादव ने द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कामिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

प्लास्टिक प्रदूषण जागरुकता अभियान – 04 अगस्त को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम दर्शन के अन्तर्गत विभाग के अभिगृहीत ग्राम सेखवनिया में प्लास्टिक प्रदूषण जागरुकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

ऑरिएंटेशन प्रोग्राम – 05 अगस्त को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत सामूहिक व्यक्तित्व विकास प्रभारी के द्वारा ऑरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने उद्बोधन द्वारा सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन सामूहिक व्यक्तित्व विकास प्रभारी श्रीमती दिव्या दूबे, संचालन श्रीमती विभा सिंह तथा आभार ज्ञापन श्रीमती नम्रता मिश्रा ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह का पांचवां दिन – 05 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के 5वें दिन 'क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री वन्दना चौहान ने प्रथम, सुश्री श्वेता शर्मा ने द्वितीय तथा सुश्री रोशनी जहां ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह का छठवां दिन – 06 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के 6वें दिन 'क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्ट फीडिंग' शीर्षक पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री कल्पना ने प्रथम, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवानी सिंह ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री तन्नू विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह समारोप कार्यक्रम – 07 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह के समारोप कार्यक्रम के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी तथा संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम – 07 अगस्त को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रीति सिंह प्रथम स्थान, सुश्री निधि सिंह व सुश्री प्रियंका साहनी ने द्वितीय स्थान तथा बी. एस–सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सपना चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सहायक आचार्य श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

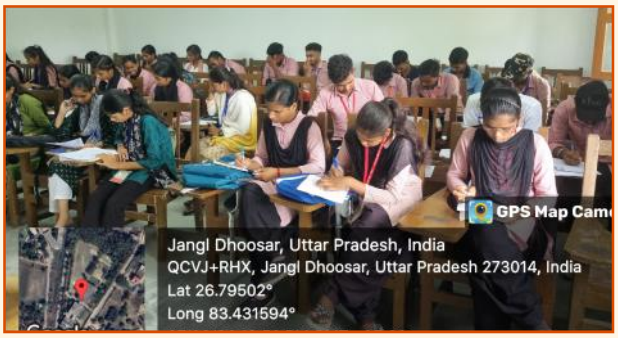

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम – 07 अगस्त को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. वासुदेव शरण के जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व फेलो एवं भगवंत पटेल पानमती देवी पी.जी. कॉलेज, चंदरपुर महाराजगंज के प्राचार्य डॉ. कन्हैया सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह तथा संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस – 08 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस' पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक श्री जयदीप मुखर्जी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के छात्र श्री वंशदीप ने किया।

भाषण प्रतियोगिता – 08 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस' के अवसर पर कक्षा 06,07,08अ एवं 8ब में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 06 के अन्तर्गत श्री शुभम चौहान ने प्रथम, सुश्री गुनगुन ने द्वितीय तथा श्री सम्पूर्णानन्द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 07 के अन्तर्गत सुश्री सोनाक्षी निषाद ने प्रथम, श्री सुरज निषाद ने द्वितीय तथा श्री अलताफ अली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8अ के अन्तर्गत श्री संदेश निषाद ने प्रथम, श्री शैलेन्द्र निषाद ने द्वितीय तथा श्री आदित्य सहानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और कक्षा 8ब के अन्तर्गत की सुश्री सौम्या पासवान ने प्रथम, सुश्री संजन ने द्वितीय तथा सुश्री प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान बी.एड्. विभाग के शिक्षक तथा छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम – 08 अगस्त को राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा 'शोध पत्र लेखन प्रविधि' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग बापू पी.जी. कॉलेज पीपीगंज गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. करूणेंद्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव व संचालन डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय ने किया।

काकोरी ट्रेन एक्शन डे एवं नागपंचमी – 09 अगस्त को प्रार्थना सभा में काकोरी ट्रेन एक्शन डे एवं नागपंचमी के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराने का प्रयास करने वाले अमर क्रांतिकारियों के प्रति महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही नागपंचमी के पौराणिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

साप्ताहिक योगाभ्यास – 10 अगस्त को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी के डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आसन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया।

विचार गोष्ठी कार्यक्रम – 10 अगस्त को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में पं. श्रीराम वाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के चुने हुए विद्यार्थियों ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्री शैलेन्द्र सिंह ने किया।

अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस – 12 अगस्त को प्रार्थना सभा में अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से शहीद बन्धू सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

वाद–विवाद प्रतियोगिता – 12 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पक्ष की तरफ से सम्पूर्णानन्द तथा विपक्ष की तरफ से प्रिया भारती ने प्रथम स्थान, पक्ष से ममता कुमारी एवं विपक्ष से गुनगुन ने द्वितीय स्थान एवं पक्ष से सिद्धि एवं विपक्ष से सृष्टि चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी गयी।

अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि – 13 अगस्त को प्रार्थना सभा में अहिल्याबाई होलकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कला संकाय की छात्रा मुस्कान चौहान ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

अखण्ड भारत स्मृति दिवस – 13 अगस्त को अखण्ड भारत स्मृति दिवस के अवसर पर **'भारत विभाजन के त्रासद अंतःकथा 1947'** विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओमजी उपाध्याय, निदेशक (शोध एवं प्रशासन) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मे.ज. (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी, माननीय कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, बालापार, गोरखपुर ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री अनुप पाण्डेय ने किया।

नाटक विभाजन विभीषिका – 14 अगस्त को सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर 'विभाजन विभीषिका' नाटक का मंचन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दूबे तथा श्रीमती विभा सिंह ने किया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम – 14 अगस्त को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर एन.एस. एस. के सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। इसी क्रम में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत एन.सी.सी. के कैडेटस द्वारा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दुबे ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता – 14 अगस्त को बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित इंटर्नशिप प्रोग्राम के अंतर्गत महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता कक्षा 6,7 व 8 के 17 समूहों के मध्य आयोजित हुई। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया व रंगोली की प्रशंसा हुई। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कार्यशाला – 14 अगस्त को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में 'सेमेस्टर प्रणाली में पठन–पाठन व परीक्षा की तैयारी' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती श्वेता ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसी क्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल तथा आभार ज्ञापन सुश्री साक्षी चौबे ने किया।

78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह – 15 अगस्त को महाविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात महाविद्यालय के सांस्कृतिक विभाग एवं छात्रसंघ द्वारा आयोजित भव्य समारोह में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा छात्रसंघ प्रभारी श्री अनूप पाण्डेय सहित छात्रसंघ पदाधिकारियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस – 16 अगस्त को प्रार्थना सभा में रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि एवं अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने अपने उद्बोधन के माध्यम से उक्त दोनों महान विभूतियों के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस एवं योगाभ्यास कार्यक्रम – 17 अगस्त को प्रार्थना सभा में मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस पर शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी, डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत कर मदन लाल ढींगरा को महाविद्यालय परिवार की ओर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षक के रूप में आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास भी कराया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम – 17 अगस्त को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'सामाजिक अनुसंधान की प्रविधियां' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग, सहायक आचार्य डॉ. पवन कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथि स्वागत डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

राखी प्रदर्शनी – 17 अगस्त को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में राखी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा स्वनिर्मित राखी को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता – 17 अगस्त को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नीतू ने प्रथम, सुश्री श्वेता शर्मा ने द्वितीय एवं सुश्री शिवानी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम – 20 अगस्त को एन.सी.सी. तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के तत्वाधान में 'नया सवेरा योजना' के अन्तर्गत नशा मुक्ति अभियान के तहत एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, बालापार, गोरखपुर के एन.सी.सी. प्रभारी लें. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजक एवं आभार ज्ञापन एन.सी. सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे तथा संचालन श्री विवेक विश्वकर्मा ने किया।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला (उद्घाटन समोराह)

महाविद्यालय के संस्थापक परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला इस वर्ष 21–27 अगस्त तक सम्पन्न हुआ। इस सप्तदिवसीय व्याख्यामाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्त्री श्रीमती शीलम वाजपेयी तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग, बालापार, गोरखपुर की प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का दूसरा दिन – 22 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन 'व्यक्तित्व निर्माण की दिशा' विषय पर मुख्य वक्ता किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही, कुशीनगर के सेवानिवृत्त प्राचार्य, डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का तीसरा दिन – 23 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन 'भाषायी स्वत्वबोध और हिन्दी' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् गोरखपुर ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता – 23 अगस्त को भौतिकी विज्ञान विभाग के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सुभी ने प्रथम स्थान, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रतिभा गुप्ता ने द्वितीय स्थान एवं बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री निशा सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का चौथा दिन – 24 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन ''हिन्दू–हिन्दूइज़्म–हिन्दूत्व : वास्तविकता और भ्रांतियाँ'' विषय पर मुख्य वक्ता मकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई. आई.टी., कानपुर के आचार्य डॉ. नचिकेता तिवारी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

शिवराम हरि राजगुरु जयन्ती – 24 अगस्त को प्रार्थना सभा में शिवराम हरि राजगुरु जयन्ती के अवसर पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर अमर शहीद शिवराम हरि राजगुरु को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का पांचवां दिन – 25 अगस्त को आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के पांचवें दिन ''संस्कार, संस्कृति एवं ज्ञान परम्परा'' विषय पर मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के भाषा एवं साहित्य संस्थान के आचार्य प्रो. मज़हर आसिफ ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य, प्रो. हर्ष सिंन्हा ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का छठें दिन – 26 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठे दिन 'विद्यार्थी जीवन में योग की महत्ता' विषय पर मुख्य वक्ता भटवली पी.जी. कालेज गोरखपुर, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के माननीय सदस्य डॉ. राम जनम सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

रानी पद्मिनी जौहर दिवस 26 अगस्त को प्रार्थना सभा में 'रानी पद्मिनी जौहर' दिवस पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में रसायन शास्त्र की सहायक आचार्य श्रीमती दिव्या दूबे के अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का समापन – 27 अगस्त को सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के समापन समारोह में मुख्य वक्ता हेमवती नन्दन बहुगुणा, चिकित्सा सेवा विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड के माननीय कुलपति प्रो. मदनलाल ब्रह्म भट्ट ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

संकल्प दिवस – 27 अगस्त को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के अवसर पर क्रीड़ा विभाग द्वारा संकल्प दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने खेल और स्वास्थ्य के प्रति कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम 30 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'खाद्य सुरक्षा जागरूकता' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

कक्षा प्रतिनिधियों का चयन एवं प्रत्याशी नामांकन – छात्रसंघ का चुनाव इस वर्ष 02 दिन में सम्पन्न हुआ। 30 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव के प्रथम चरण के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत कुल 25 विषयों के 76 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 01, उपाध्यक्ष पद पर 01, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 प्रतिनिधि ने पर्चा दाखिल किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास एवं सम्मान समारोह – 31 अगस्त को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी के डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आसन एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया। इसी क्रम में महाविद्यालय के परास्नातक भूगोल विषय के श्री दीपचन्द एवं परास्नातक प्राचीन इतिहास विभाग के श्री कमलेश साहनी को 47वां दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक हासिक करने एवं गोल्ड मेडेल प्राप्त करने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पुरातन छात्र परिषद् प्रभारी डॉ. शिव कुमार वर्नवाल में दोनों विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्रसंघ चुनाव योग्यता भाषण – 31 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव में नामांकित प्रत्याशियों द्वारा योग्यता भाषण का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में महामंत्री पद के लिए श्री शैलेश आनन्द एवं सुश्री प्रियंका गुप्ता तथा पुस्तकालय मंत्री पद के लिए श्री विवेक कुमार मौर्य एवं श्री सुमित चौरसिया ने विद्यार्थी के समक्ष अपना–अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव मतदान

31 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया पूर्णतः स्वदेशी साफ्टवेयर द्वारा सम्पन्न हुई। जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री वंशदीप राय निर्विरोध विजयी रहे, महामंत्री पद पर सुश्री प्रियंका गुप्ता अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री शैलेश आनन्द से 152 मतों के अन्तर से एवं पुस्तकालय मंत्री पद पर श्री सुमित चौरसिया अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी श्री विवेक कुमार मौर्य से 112 मतों के अन्तर से विजयी घोषित हुए। निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विजित प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी।

गोरखपुर। बुधवार • 14 अगस्त • 2024 5 सहारा

भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी भारत विभाज

गोरखपुर(एसएनबी)। भारत का विभाजन भारतीय इतिहास की वह घटना है, जिसकी पीड़ा आज भी भारतीय जनमानस को उसी तीव्रता से व्यथित किए हुए हैं, जिस भयावहता के साथ यह घटना घटी थी। इस विभाजन में लाहौर, कराची, बिहार, बंगाल इत्यादि जगहों पर भयावह नरसंहार हुआ। इस विभाजन में 1.5 करोड़ जनता को अचानक अपना घर छोड़कर चले जाना पड़ा। विभाजन की यह त्रासदी विश्व का सबसे बड़ा जनमानस का स्थानान्तरण था।

उक्त विचार डॉ. ओमजी उपाध्याय, निदेशक (शोध एवं प्रशासन) भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने व्यक्त किये। मंगलवार को वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ गोरखपुर में भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर अखण्ड भारत स्मृति दिवस के अवसर पर 'भारत विभाजन की त्रासद अंतः कथा 1947' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। **भारतीय राष्ट्रवाद एक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद** : कार्यक्रम में बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष मेजर ज.(सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी कुलपति महायोगी गुरु श्री गोरखनाथ विवि आरोग्य धाम बालापार ने कहा कि भारत विभाजन से पूर्व पूरे भारत में एक ही भाषा, एक ही रहन-सहन का तरीका जनमानस के बीच था। परन्तु कुछ लो ने केवल अपने फायदे के लिए और छोटे-छो स्वार्थवश विभाजन की इतनी बड़ी त्रासदी उत्प करा दिया। 1930 ई. के बाद भारत सांप्रदायिक का अखाड़ा बन चुका था। अंग्रेजों की कुटिल नी और भारत के शीर्ष राजनैतिक नेतृत्व की अक्षम एवं कुछ लोगों की सत्तालोलुपता से अंततः देश 1 अगस्त, 1947 ई. को भारी हिंसा, अराजकता ए अव्यवस्था के साथ खंडित हो गया। कार्यक्रम

■ भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर कार्यक्र

संयोजन अनूप कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष इतिह विभाग तथा संचालन हरिकेश यादव अध्य राजनीति शास्त्र विभाग ने किया। इससे पूर्व अति स्वागत, प्रस्ताविकी एवं आभार ज्ञापन प्राचा इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मि द्वारा किया गया। **अहिल्याबाई होलकर व पुण्यतिथि पर व्याख्यान आयोजित** इसी क्रम में प्रार्थना सभा में अहिल्याबाई होलक की पुण्य तिथि पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजि किया गया। बतौर वक्ता बी.ए. पंचम सेमेस्टर व विद्यार्थी सुश्री मुस्कान चौहान ने अहिल्याब होलकर के जीवन और उनके योगदान के बारे जानकारी दी।

हिन्दुस्तान
गोरखपुर, बुधवार, 14 अगस्त 2024 06

भारत विभाजन दिवस की पूर्व संध्या पर महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ ओमजी उपाध्याय को स्मृति चिह्न देते डॉ सुबोध मिश्र।

विभाजन भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी

व्याख्यान

■ भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के निदेशक हैं डॉ. ओमजी
■ एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में भारत विभाजन पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के निदेशक (शोध एवं प्रशासन) डॉ. ओमजी उपाध्याय ने कहा कि भारत का विभाजन भारतीय इतिहास की वह घटना है, जिसकी पीड़ा आज भी जनमानस को व्यथित करती है। उस विभाजन में लाहौर, कराची, बिहार, बंगाल आदि जगहों पर भयावह नरसंहार हुआ। इसमें डेढ़ करोड़ लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था।

डॉ उपाध्याय मंगलवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त 1947 की रात भारतीय इतिहास की सबसे क्रूर और अंधेरी रात थी। विभाजन भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी थी।

अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अतुल वाजपेयी ने कहा कि भारत ने सदैव एक मजबूत और अखण्ड इकाई के रूप में विश्व में अपनी पहचान को बनाया है। वेदों में राष्ट्र को मातृभूमि कहा गया है। संयोजन अनूप पाण्डेय ने व संचालन हरिकेश यादव ने किया। डॉ सुबोध मिश्र ने प्रस्ताविकी रखी।)

4 दैनिक जागरण गोरखपुर, 15 अगस्त, 2024

बीए में तृप्ति, बीएससी में सुनिधि व बीकाम में उरुबा महफूज टापर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 30 अगस्त को आयोजित 43वें दीक्षा समारोह के लिए टापरों की अनंतिम श्रेष्ठता सूची बुधवार को जारी कर दी गई। बीए में तृप्ति सिंह, तो बीएससी में सुनिधि और बीकाम में उरुबा महफूज टापर बनी हैं।

परीक्षा नियंत्रक डा.कुलदीप सिंह ने बताया कि स्नातक, परास्नातक एवं अन्य कक्षाओं में अधिकतम सीजीपीए अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की अनंतिम सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रकाशित सूची को लेकर किसी भी छात्र-छात्रा को आपत्ति दर्ज करानी है, तो वह 18 अगस्त को शाम पांच बजे तक अपना प्रत्यावेदन अभिलेख कक्ष में लिखित रूप से सभी साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकता है। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि दीक्षा समारोह में 49 कार्यक्रमों की अंतिम श्रेष्ठता सूची में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।मुख्य अतिथि एडलवाइस म्यूचुअल फंड की प्रबंध निदेशक और सीईओ राधिका गुप्ता होंगी।

टापरों की सूची : बीए , तृप्ति सिंह, एसबीडी महिला महाविद्यालय, काकावल, गौरीबाजार, एमए प्राचीन इतिहास, कमलेश साहनी, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, एमए अंग्रेजी, अभिलाषा पांडेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए भूगोल, दीपचंद महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, एमए हिंदी, नीतु सिंह, एपीजीईएस गीता देवी महाविद्यालय, उनवल गोरखपुर, एमए इतिहास , श्रुति यादव, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए गृह विज्ञान, रीता मद्देशिया, भगवंत पांडेय महाविद्यालय, बोदरवार, कुशीनगर ,एमए दर्शनशास्त्र , श्वेता श्रीवास्तव, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए राजनीति विज्ञान, नम्रता पांडेय, सर्वोदय किसान महाविद्यालय, कौड़ीराम, गोरखपुर, एमए मनोविज्ञान, दीपशिखा सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए संस्कृत, दिव्या मद्देशिया, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएजेएमसी , वंदना तिवारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए उर्दू , तूबा खातून, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए परफॉर्मिंग आर्ट, श्वेता वर्मा, गोरखपुर विश्वविद्यालय,एमए समाजशास्त्र, नीतु चौरसिया, राजा देवी महिला महाविद्यालय, सल्लहपुर, भटनी, देवरिया , एमए विजुअल आर्ट, प्रतिष्ठा मिश्रा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, बीएससी, सुनिधि, गोरखपुर विश्वविद्यालय, बीएससी होम साइंस, आरती सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमए/एमएससी रक्षा अध्ययन, आदित्य प्रताप सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय , एमए/एमएससी गणित, मृत्युंजय गुप्ता, गोरखपुर विश्वविद्यालय ; एमएससी एक्वाकल्चर, अर्चना वर्मा , गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स, मदीहा गुल, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, पद्मजा द्विवेदी, गोरखपुर विश्वविद्यालय , एमएससी केमिस्ट्री, फरमीना शफक, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स, वरुण बनर्जी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी पर्यावरण विज्ञान, खुशबू निशा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, अनुष्का मिश्रा, गोरखपुर विश्वविद्यालय , एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, रोशन मिश्रा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी गृह विज्ञान, गरिमा सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, अर्पिता उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी भौतिकी, अनन्या मिश्रा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, प्रभा चौहान, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी सांख्यिकी, शशिकला मौर्या, गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी जूलॉजी, अमन कुमार दुबे , गोरखपुर विश्वविद्यालय, एमएससी बॉटनी , सुचित्रा विश्वकर्मा, गोरखपुर

अमर उजाला | amarujala.com | गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 15 अगस्त 2024 | 8

डीडीयू : बीए में तृप्ति सिंह तो बीएससी में सुनिधि टॉपर

43वें दीक्षांत समारोह के स्वर्ण पदक विजेताओं की श्रेष्ठता सूची जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए टॉपरों की अनंतिम प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है। बीए में तृप्ति सिंह तो बीएससी में सुनिधि टॉपर बनी हैं।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह के अनुसार स्नातक, परास्नातक एवं अन्य कक्षाओं में प्रथम प्रयास में अधिकतम सीजीपीए अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की अनंतिम प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची प्रकाशित की गई है। यह सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जिस किसी छात्र-छात्रा को प्रकाशित सूची पर आपत्ति दर्ज करानी है, वह 18 अगस्त को शाम पांच बजे तक अपना प्रत्यावेदन अभिलेख कक्ष में लिखित रूप से सभी साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करें। इसके बाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि 30 अगस्त को आयोजित होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में 49 प्रोग्राम की अंतिम श्रेष्ठता सूची में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। दीक्षांत समारोह को भव्य एवं समावेशी बनाने के लिए तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडलवाइस म्यूचुअल फंड की प्रबंध निदेशक और सीईओ राधिका गुप्ता होंगी।

प्रोग्राम	टॉपर	संस्थान
बीए	तृप्ति सिंह	श्री भगवान दास महिला महाविद्यालय, काकावल, गौरीबाजार, देवरिया
एमए प्राचीन इतिहास	कमलेश साहनी	महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़
एमए अंग्रेजी	अभिलाषा पांडेय	डीडीयू
एमए भूगोल	दीपचंद	महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़
एमए हिंदी	नीतू सिंह	एपीजीईएस गीता देवी महाविद्यालय, उनवल
एमए इतिहास	श्रुति यादव	डीडीयू
एमए गृह विज्ञान	रीता मद्देशिया	भगवंत पांडेय , महाविद्यालय, बोदरवार, कुशीनगर
एमए दर्शनशास्त्र	श्वेता श्रीवास्तव	डीडीयू
एमए राजनीति विज्ञान	नम्रता पांडेय	सर्वोदय किसान कॉलेज, कौड़ीराम
एमए मनोविज्ञान	दीपशिखा सिंह	डीडीयू
एमए संस्कृत	दिव्या मद्देशिया	डीडीयू
एमएजेएमसी	वंदना तिवारी	डीडीयू
एमए उर्दू	तूबा खातून	डीडीयू
एमए परफॉर्मिंग आर्ट	श्वेता वर्मा	डीडीयू
एमए समाजशास्त्र	नीतू चौरसिया	राजा देवी महिला कॉलेज सल्लहपुर, भटनी, देवरिया
एमए विजुअल आर्ट	प्रतिष्ठा मिश्रा	डीडीयू
बीएससी	सुनिधि	डीडीयू
बीएससी होम साइंस	आरती सिंह	डीडीयू
एमए/एमएससी रक्षा अध्ययन	आदित्य प्रताप सिंह	डीडीयू
एमए/एमएससी गणित	मृत्युंजय गुप्ता	डीडीयू
एमएससी एक्वाकल्चर	अर्चना वर्मा	डीडीयू
एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स	मदीहा गुल	डीडीयू
एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	पद्मजा द्विवेदी	डीडीयू
एमएससी केमिस्ट्री	फरमीना शफक	डीडीयू
एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स	वरुण बनर्जी	डीडीयू
एमएससी पर्यावरण विज्ञान	खुशबू निशा	डीडीयू
एमएससी फूड टेक्नोलॉजी	अनुष्का मिश्रा	डीडीयू
एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री	रोशन मिश्रा	डीडीयू
एमएससी गृह विज्ञान	गरिमा सिंह	डीडीयू
एमएससी माइक्रोबायोलॉजी	अर्पिता उपाध्याय	डीडीयू
एमएससी भौतिकी	अनन्या मिश्रा	डीडीयू
एमएससी प्लांट बायोटेक्नोलॉजी	प्रभा चौहान	डीडीयू
एमएससी सांख्यिकी	शशिकला मौर्या	डीडीयू
एमएससी जूलॉजी	अमन कुमार दुबे	डीडीयू
एमएससी बॉटनी	सुचित्रा विश्वकर्मा	डीडीयू
बीकॉम	उरुबा महफूज	इस्लामिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स
बीबीए	जिज्ञासा शाही	डीडीयू
एमकॉम	विभा पाण्डेय	पं. हरिसहाय डिग्री कॉलेज, बेलघाट
एमए अर्थशास्त्र	जैनब खातून	डीडीयू
एमबीए	पल्लवी विपिन	डीडीयू
बीएड	अमृता दूबे	सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन
एमएड	आंचल पांडेय	दिग्विजयनाथ एलटी प्रशिक्षण महाविद्यालय
एमए शारीरिक शिक्षा	प्रतिज्ञा उपाध्याय	डीडीयू
एमए शिक्षाशास्त्र	अपूर्वा दूबे	दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज
एमए स्नातक शिक्षा	शिवांगी जायसवाल	डीडीयू
बीएससी एजी	वैभव दूबे	नेशनल पीजी कॉलेज, बड़हलगंज
एलएलबी	[illegible]	डीडीयू
बीए एलएलबी	मोनिका वर्मा	डीडीयू
एमबीबीएस	पंकज वर्मा	बीआरडी मेडिकल कॉलेज

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, शनिवार, 17 अगस्त 2024

बलिदानियों को डॉ राव ने दी श्रद्धांजलिः महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया और विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाषण, कविता पाठ, गीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुतियां शामिल थीं।

अमर उजाला

गोरखपुर | शनिवार, 17 अगस्त 2024 6

'संस्था की प्रगति के लिए नवाचार आवश्यक'

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण कर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बलिदानियों ने देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। ऐसे अनेक ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों के प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि उनके द्वारा आजाद भारत के संदर्भ में देखे गए सपनों को साकार करने वाले कार्यों से होगा। यह महाविद्यालय प्रयोगों एवं नवाचारों का महाविद्यालय है। संवाद

अमर उजाला

गोरखपुर | शनिवार, 17 अगस्त 2024 6

'संस्था की प्रगति के लिए नवाचार आवश्यक'

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण कर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बलिदानियों ने देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। ऐसे अनेक ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों के प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि उनके द्वारा आजाद भारत के संदर्भ में देखे गए सपनों को साकार करने वाले कार्यों से होगा। यह महाविद्यालय प्रयोगों एवं नवाचारों का महाविद्यालय है। संवाद

टापरों की सूची में चमक रही कालेजों की मेधा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पूर्वांचल में उच्च शिक्षा के स्तर में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। बीते कुछ वर्षों में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के टापरों की सूची बढ़ी कालेजों की मेधा की भागीदारी इसका प्रमाण है। अंतिम पांच शैक्षिक सत्र के स्वर्ण पदक के आंकड़े बताते हैं कि अब इस पर केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का ही अधिकार नहीं रहा, कालेजों ने भी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है।

43वें दीक्षा समारोह के लिए जारी 49 टापरों की अंतरिम सूची में 14 टापर कालेजों के हैं। खास बात यह है कि यह सभी टापर प्रमुख पाठ्यक्रमों के हैं। इनमें बीए, बीएड, एमएड, बीकाम, एमकाम जैसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। टापरों की सूची में कालेजों की मेधा की मौजूदगी का मूल्यांकन यदि प्रतिशत में करें तो यह भागीदारी 28.57 प्रतिशत है। बीते सत्र में यह 36.84 प्रतिशत है। यदि बीते सत्र को छोड़ दिया जाए तो प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इसके पहले के तीन सत्र में वर्ष-दर-वर्ष टापरों की सूची में कालेजों का प्रदर्शन सुधरा है। गौर करने वाली बात यह भी है कि स्वर्ण पदक पाने वालों की सूची में केवल गोरखपुर ही नहीं, बल्कि देवरिया व कुशीनगर के कालेजों के विद्यार्थी भी शामिल हैं। कई विद्यार्थी तो ग्रामीण क्षेत्रों कालेजों के रहे हैं।

49 में 38 टापर छात्राएं: अगर 43वें दीक्षा समारोह के टापरों की अंतरिम सूची में छात्राओं की भागीदारी भी गौर करने योग्य है। कुल 49 पाठ्यक्रमों में स्वर्ण पदक पाने वाली छात्राओं की संख्या 38 है। प्रतिशत में छात्राओं की भागीदारी करीब 77.55है।

- गोरखपुर विश्वविद्यालय की टापरों की अंतरिम सूची में 49 में से 14 टापर कालेजों के
- 28.57 प्रतिशत है कालेजों की भागीदारी, बीए, बीकाम, बीएड व एमएड में भी पीछे छूटा गोवि

बीते पांच सत्र में ऐसी रही टापरों में कालेजों की भागीदारी

39वां	54	8	15 .00 प्रतिशत
40वां	46	8	17 .39 प्रतिशत
41वां	48	9	18 .75 प्रतिशत
42वां	57	21	36 .84 प्रतिशत
43वां	49	14	28 .57 प्रतिशत

विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदकों में कालेज के विद्यार्थियों की बढ़ती भागीदारी उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के विकास का अच्छा संकेत है। इससे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मकसद भी पूरा होता दिख रहा है। कालेजों को बढ़ावा देने के लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कई और योजनाएं बनाई गई हैं। उसपर निरंतर कार्य हो रहा है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

43वें दीक्षा समारोह में कालेजों के टापर

बीए : तृप्ति सिंह, एसबीडी महिला महाविद्यालय, काकावल, गौरीबाजार,
एमए प्राचीन इतिहास : कमलेश साहनी, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़,
एमए भूगोल : दीपचंद, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
एमए हिंदी : नीतू सिंह : एपीजीईएस गीता देवी महाविद्यालय, उनवल गोरखपुर
एमए गृह विज्ञान : रीता मद्देशिया, भगवंत पांडेय महाविद्यालय, बोदरवार, कुशीनगर
एमए राजनीति विज्ञान : नम्रता पांडेय, सर्वोदय किसान महाविद्यालय, कौड़ीराम, गोरखपुर
एमए समाजशास्त्र : नीतू चौरसिया, राजा देवी महिला महाविद्यालय, सल्लहपुर, भटनी
बीकाम : उरुवा महफूज, इस्लामिया कालेज आफ कामर्स, गोरखपुर
एमकाम : विभा पांडेय, पं. हरिसहाय डिग्री कालेज, बेलघाट
बीएड : अभया दुबे, सैंट जोसेफ कालेज फार वूमेन
एमएड : आंचल पांडेय, दिग्विजयनाथ एलटी प्रशिक्षण महाविद्यालय
एमए शिक्षा शास्त्र : अपूर्वा दुबे, दिग्विजयनाथ पीजी कालेज, गोरखपुर
बीएससी एजी : वैभव दुबे, नेशनल पीजी कालेज, बड़हलगंज,
एमबीबीएस : प्रांजल गर्ग, बीआरडी मेडिकल कालेज ।

यह और अन्य खबरें देखें

https://www.jagran. com/local/ uttar-pradesh_ gorakhpur-city-news-hindi.html

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, रविवार, 18 अगस्त 2024 10

घटनाओं के मूल तक पहुंचने का तरीका है अनुसंधान

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीडीयू के समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पवन कुमार ने कहा कि अनुसंधान घटनाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करने और उनके मूल तक पहुंचने का व्यवस्थित वैज्ञानिक तरीका है। शोध में व्यक्ति अपनी जिज्ञासा के अनुरुप गहन अध्ययन करता है। संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय व संचालन रितेंद्र नाथ पांडेय ने किया।

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, बुधवार, 21 अगस्त 2024 04

एमपी पीजी कॉलेज में व्याख्यानमाला आज से

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ महाराज स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन 21 से 27 अगस्त तक होगा। एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन अध्यक्षता करेंगी। सात दिनों तक चलने वाली इस व्याख्यानमाला में देश भर के प्रमुख विद्वान व्याख्यान देंगे। इसे

दैनिक जागरण गोरखपुर, 22 अगस्त, 2024

सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे महंत अवेद्यनाथ

गोरखपुर : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य प्रमथनाथ मिश्र ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे। उन्होंने समाज में छुआछूत, भेदभाव मिटाने का कार्य किया। वे राम मंदिर के लिए आजीवन संघर्षरत भी रहे।

वह बुधवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में आयोजित महंत अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ऋषियों, तपस्वियों और कर्मयोगियों की कर्मभूमि रही है। ऐसे ही संत महंत दिग्विजयनाथ की प्रेरणा से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद शिक्षा का अलख जगा रहा है। संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने किया। डा. सुबोध मिश्र ने प्रस्ताविकी रखी।

अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कार रोपित करना है। बतौर विशिष्ट अतिथि शीलम वाजपेयी ने कहा कि परिषद् का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए शिक्षा व्यवस्था को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है। विशिष्ट अतिथि गुरु श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग, बालापार की प्रधानाचार्य डा. डीएस अजीथा ने भी संबोधित किया।

अमर उजाला

गोरखपुर | शनिवार, 24 अगस्त 2024 5

भाषा से सम्मान प्राप्त करना ही भाषायी स्वत्वबोध

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन 'भाषाई स्वत्वबोध और हिंदी' विषय पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी। मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद गुप्त रहे। संवाद

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, शनिवार, 24 अगस्त 2024 06

शास्त्रों में सही शब्द बोलना पुण्य : प्रो. गुप्त

गोरखपुर। एमपी महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन 'भाषायी स्वत्वबोध और हिंदी' विषय पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी। मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद गुप्त ने कहा कि हमारे शास्त्रों में हमारी भाषा को बहुत महत्व दिया गया है, सही शब्द बोलना पुण्य और गलत शब्दों का उच्चारण पाप माना गया है।

अमर उजाला

गोरखपुर | रविवार, 25 अगस्त 2024 5

"आध्यात्मिक पद्धति की उपज का हर व्यक्ति हिंदू"

गोरखपुर। आईआईटी कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के आचार्य डॉ. नचिकेता तिवारी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो भारत भूमि में आध्यात्मिक पद्धति की उपज है, वह हिंदू है। वह महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज; जंगल धूसड़ में महंत अवेद्यनाथ स्मृति सात दिवसीय व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। संवाद,

हिन्दुस्तान गोरखपुर, सोमवार, 26 अगस्त 2024 06

ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा मार्ग है और संस्कार माध्यम : प्रो. मजहर

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में व्याख्यानमाला को संबोधित करते प्रो. हर्ष सिन्हा।

गोरखपुर, निज संवाददाता। जेएनयू, नई दिल्ली के भाषा एवं साहित्य संस्थान के प्रोफेसर मजहर आसिफ ने कहा कि हमारी संस्कृति पचास हजार वर्ष प्राचीन है। इतनी लम्बी अवधि में बहुत सी संस्कृतियां विलुप्त हो गई या बदल गईं लेकिन हमारी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता नहीं बदली। भारतीय संस्कृति का अस्तित्व इसलिए नहीं मिटा, क्योंकि इसकी जड़ें चट्टान की तरह मजबूत रहीं है।

प्रो. मजहर रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महंत अवेद्यनाथ के दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला के पांचवें दिन 'संस्कार, संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा मार्ग है तथा संस्कार माध्यम है। संस्कृति में ज्ञान का बहुत महत्व है और बिना ज्ञान के शिक्षा निरर्थक है। भारतीय संस्कृति में सभी धर्म निवास करते हैं और हम सभी सनातन संस्कृति के अनुयायी हैं।

संस्कृति हमारे पूर्वजों की पदचिह्न : अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रोफेसर हर्ष सिन्हा ने कहा कि संस्कृति हमारे पूर्वजों की पदचिह्न है। हमारे पूर्वजों द्वारा निर्मित संस्कृति आज की संस्कृति से कहीं अधिक वैज्ञानिक और उन्नत थी। हम सभी को अपने संस्कृति को जानना चाहिए, अभ्यास करना चाहिए और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। संचालन डॉ. अनूप पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, मंगलवार, 27 अगस्त 2024 05

जीवन की सभी अवस्था में योग का महत्व

व्याख्यान

- एमपी महाविद्यालय में महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर व्याख्यान
- 'विद्यार्थी जीवन में योग की महत्ता' विषय पर बोले वक्ता

गोरखपुर, निज संवाददाता। जीवन की प्रत्येक अवस्था में योग का महत्व है। इस दृष्टि से, विद्यार्थी जीवनकाल से ही योग का ज्ञान एवं अभ्यास हमारे जीवन का अंग होना चाहिए। आधुनिक युग में अनेक प्रकार के तनाव, चिंता बीमारियां, परेशानियां, युद्ध की विभीषिका जैसी समस्याओं के समाधान में योग महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है।

'यह बातें भटौली महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. बलवान सिंह ने कही। वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महंत अवेद्यनाथ की दसवीं पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठवें दिन सोमवार को 'विद्यार्थी जीवन में योग की महत्ता' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तन-मन से स्वस्थ मनुष्य द्वारा स्वस्थ्य समाज का निर्माण होता है। योग तंत्रिकातंत्र एवं अन्तः स्रावी तंत्र में संतुलन स्थापित कराने का भी कार्य करता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान जहां मनुष्य को पूर्ण स्वस्थ करने में सफल नहीं हुआ, वहां योग लाभकारी सिद्ध हुआ है।

अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य डॉ. रामजनम सिंह ने कहा कि भगवान शिव योग के जनक कहे जाते हैं। योग जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है। हमे अपने जीवन में मन को नियंत्रित करने के लिए ध्यान करना आवश्यक है और यह हमें योग एवं प्रणायाम से प्राप्त हो सकता है। संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने तथा आभार ज्ञापन हरिकेश यादव ने किया।

अमर उजाला

गोरखपुर | बुधवार, 28 अगस्त 2024 | 8

'भारत ने ही विश्व को सभ्यता की राह दिखाई'

गोरखपुर। भारत एक प्राचीन भूमि है। इसकी महानता के बारे में जितना कहा जाए कम है। भारत के लोग प्राचीनकाल से ही कबीलों में रहे हैं, जिससे उनमें एक सामुदायिक भावना का विकास बहुत पहले ही हो गया था। उन्होंने सभ्य होने के तरीके अन्य दुनिया की अपेक्षा पहले ही ढूंढ लिए थे। ये बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा, चिकित्सा सेवा विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो. मदनलाल ब्रह्म भट्ट ने कहीं। संवाद

हिन्दुस्तान

गोरखपुर, बुधवार, 28 अगस्त 2024 | 04

भारत ने ही विश्व को सबसे पहले सभ्यता की राह दिखाई: प्रो. मदनलाल भट्ट

एमपी पीजी

गोरखपुर, निज संवाददाता। हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा सेवा विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो. मदनलाल ब्रह्म भट्ट ने कहा कि भारत एक प्राचीन भूमि है। इसकी महानता के बारे में जितना कहा जाए कम है। यहां का उचित वातावरण मनुष्य को जीने का बेहतर मौका ही नहीं देता, बल्कि एक सही सोच भी विकसित कराता है।

वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के लोग प्राचीनकाल से ही कबीलों रहे हैं जिससे उनमें एक सामुदायिक भावना का विकास बहुत पहले ही हो गया था। उन्होंने सभ्य होने के तरीके अन्य दुनिया की अपेक्षा पहले ही ढूंढ लिए थे। सिंधु, सरस्वती और ब्रह्मपुत्र जैसी विशालकाय नदियों के होने के कारण भारत प्राचीन सभ्यताओं और मानवों के रहने का मूल स्थान माना गया है। विश्व का प्रथम धार्मिक ग्रंथ ऋग्वेद यहीं पर रचा गया।

अध्यक्षता करते हुए डीडीयू में प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश सिंह ने कहा कि भारत के सिद्ध पुरुष जैसे दुनिया के अन्य किसी देश में सिद्ध पुरूष नहीं है, क्योंकि भारत में आकर ही लोगों को ज्ञान और मोक्ष का मार्ग नजर आता है। जब हम भारत की बात करते हैं तो इसका मतलब है अखंड भारत। लोगों को यहीं पर आकर शांति और ज्ञान का अनुभव होता है।

एमपी कॉलेज जंगल धूसड़ में आयोजित व्याख्यान में मंचासीन अतिथि।

दैनिक जागरण

गोरखपुर, 31 अगस्त, 2024

www.jagran.com

गोरखनाथ विवि में तैयार साफ्टवेयर से एमपी पीजी का चुनाव

आइटी टीम ने तैयार किया है छात्रसंघ चुनाव के लिए देसी साफ्टवेयर, आज शाम छह से रात नौ बजे तक होगा आनलाइन मतदान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: अध्ययन, अध्यापन, चौसठ संस्कृति, सामाजिक सरोकार और छात्रसंघ जैसे अनेक आयामों पर रोल माडल के रूप में उभरे महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ ने एक और नवाचार किया है। इस बार का नवाचार छात्रसंघ चुनाव को लेकर है। कालेज इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा विकसित किए गए पूरी तरह स्वदेशी साफ्टवेयर से आनलाइन चुनाव करा रहा है। यह साफ्टवेयर गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आइटी टीम ने तैयार किया है। कालेज प्रबंधन का दावा है कि voting.mgug.ac.in नाम का यह साफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला साफ्टवेयर है। इस नए साफ्टवेयर के जरिये कालेज प्रबंधन ने आनलाइन चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुक्रवार से शुरू हुई प्रक्रिया शनिवार को सम्पन्न हो जाएगी।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ • जागरण

कालेज के प्राचार्य, गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव और छात्रसंघ चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि शुक्रवार को कक्षा संचालन के साथ ही विद्यार्थियों के मासिक मूल्यांकन, व्यवहार और आचरण के आधार पर कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद शाम तीन बजे से साढ़े चार बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। डा. राव ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव में पदाधिकारी का चुनाव लड़ने के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि शनिवार को सुबह नौ बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक पर्चा भरने वालों को उसकी वापसी का अवसर दिया जाएगा। दोपहर बाद सवा दो बजे प्रत्याशियों का योग्यता भाषण होगा। उसके बाद शाम चार बजे से रात नौ बजे तक आनलाइन मतदान होगा और रात 11 बजे कालेज की वेबसाइट पर परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

कोरोना काल में छात्रसंघ चुनाव कराने वाला प्रदेश का पहला कालेज बना था एमपी पीजी : इसके पहले महाराणा प्रताप महाविद्यालय में कोरोना काल में पहली बार आनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने साफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था। कोरोना काल में ऐसा करने वाला प्रदेश का पहला कालेज बना था यह कालेज।

ऐसे होगा आनलाइन मतदान : छात्रसंघ चुनाव के लिए आनलाइन मतदान का साफ्टवेयर विकसित करने वाली महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आइटी टीम के नेतृत्वकर्ता असिस्टेंट प्रोफेसर वी. सुनिध ने बताया कि यह साफ्टवेयर voting.mgug.ac.in सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कालेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरू होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा, जहां अलग-अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे।

प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नहीं है। क्योंकि एक मोबाइल नंबर से एक ही बार लागिन होगा और दूसरा इसे इस तरह से विकसित किया गया है जिसकी कोडिंग को हैकर तोड़ नहीं पाएंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में भी होगा इस साफ्टवेयर का प्रयोग

डा. प्रदीप कुमार राव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में भी आनलाइन मतदान के लिए इसी साफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। अन्य उच्च शिक्षण संस्थान भी अपने यहां आनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय इस साफ्टवेयर प्राप्त कर सकते हैं। डा. प्रदीप कुमार राव ने कोरोना काल में जब महाराणा प्रताप महाविद्यालय ने पहली बार आनलाइन मतदान के लिए फ्रांस के साफ्टवेयर के इस्तेमाल किया था, तब प्रति छात्र 11 रुपये का खर्च आया था।

amarujala.com

अमर उजाला | गोरखपुर | शनिवार, 31 अगस्त 2024 | 10

छात्रसंघ चुनाव के लिए गोरखनाथ विवि में बना देश का पहला सॉफ्टवेयर

देसी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराने वाला पहला कॉलेज बनेगा एमपीपीजी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कोरोना काल में भी छात्रसंघ चुनाव कराकर प्रदेश में नजीर पेश करने वाले महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी), जंगल धूसड़ में इस बार छात्रसंघ चुनाव शनिवार को देसी तकनीक से बने सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन होगा। महाविद्यालय इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से विकसित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन चुनाव करा रहा है।

voting.mgug.ac.in नामक यह सॉफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला सॉफ्टवेयर है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार (30 अगस्त) से शुरू चुनाव की प्रक्रिया बिना कक्षा संचालन में बाधा पहुंचाए शनिवार (31 अगस्त) तक यानी महज दो दिन में पूरी हो जाएगी।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्रसंघ चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि सॉफ्टवेयर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी (इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी) टीम ने तैयार किया है। कोरोना काल में पहली बार, ऑनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था।

डॉ राव ने बताया कि शुक्रवार को कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 01, उपाध्यक्ष पद पर 01, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 कक्षा प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिला किया। अध्यक्ष पद पर वंशदीप रॉय ने पर्चा भरा। उपाध्यक्ष पद पर प्रियंका और महामंत्री पद पर शैलेष आनन्द एवं प्रियंका गुप्ता तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर विवेक कुमार मौर्या एवं सुमित चौरसिया ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।

31 अगस्त को सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक पर्चा वापसी और जांच की प्रक्रिया के बाद अपराह्न 2:10 बजे से प्रत्याशियों का योग्यता भाषण (क्वालिफाइंग स्पीच) होगा। इसके बाद शाम 4 से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान होगा और रात 11 बजे चुनाव परिणाम कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

छात्रसंघ चुनाव के लिए नामांकन करते विद्यार्थी। स्रोत : एमपीपीजी जंगल धूसड़

ऐसे होगा ऑनलाइन मतदान

छात्रसंघ चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान का सॉफ्टवेयर विकसित करने वाली महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी टीम के लीडर और इस विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर वी. सुमिध ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कॉलेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरू होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा, जहां अलग अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे। प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नहीं है। कारण, एक मोबाइल नंबर से एक ही बार लॉगिन होगा और दूसरा इसे इस तरह से विकसित किया गया है, जिसकी कोडिंग को हैकर तोड़ नहीं पाएंगे।

गोरखपुर, शनिवार, 31 अगस्त 2024 | 04 | हिन्दुस्तान

ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव को विवि ने तैयार किया स्वदेशी सॉफ्टवेयर

गोरखनाथ विवि

- विवि प्रशासन का दावा- देश में पहली बार सॉफ्टवेयर की मदद से ऑनलाइन होगा चुनाव
- नए सॉफ्टवेयर से होगा एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के छात्रसंघ का चुनाव
- शनिवार को शाम 6 से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपी पीजी) जंगल धूसड़ ने एक और नवाचार किया है। यह नवाचार छात्रसंघ चुनाव को लेकर किया गया है। महाविद्यालय इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन चुनाव कराने जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला सॉफ्टवेयर है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार से शुरू चुनाव की प्रक्रिया बिना कक्ष संचालन में बाधा पहुंचाए शनिवार तक महज दो दिन में पूरी हो जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्रसंघ चुनाव के निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि शुक्रवार को कक्षा संचालन के साथ ही विद्यार्थियों के मासिक मूल्यांकन, व्यवहार और आचरण के आधार पर कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। यहां छात्रसंघ चुनाव में पदाधिकारी का चुनाव लड़ने के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। शनिवार को सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक पर्चा वापसी होगी। जांच की प्रक्रिया के बाद अपराह्न 2:10 बजे से प्रत्याशियों का योग्यता भाषण (क्वालिफाइंग स्पीच) होगा। इसके बाद शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान होगा। रात 11 बजे चुनाव परिणाम कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

स्वदेशी है यह साफ्टवेयर : डॉ. राव ने बताया कि चुनाव में ऑनलाइन मतदान के लिए पहली बार स्वदेशी सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in का प्रयोग किया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर महायोगी गोरखनाथ विवि की आईटी टीम ने तैयार किया है। गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में भी ऑनलाइन मतदान के लिए इसी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। कोरोना काल में छात्रसंघ चुनाव कराने वाला यूपी का पहला कॉलेज: इसके पहले महाराणा प्रताप महाविद्यालय में कोरोना काल में पहली बार ऑनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था। कोरोना काल मे छात्रसंघ चुनाव कराने वाला यह उत्तर प्रदेश का पहला कॉलेज था।

सॉफ्टवेयर से ऐसे होगा ऑनलाइन मतदान

विश्वविद्यालय की आईटी टीम के लीडर व असिस्टेंट प्रोफेसर वी. सुमिध ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर voting. mgug. ac. in सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कॉलेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरू होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा जहां अलग अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे। प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नहीं है।

amarujala.com
अमर उजाला | गोरखपुर | शनिवार, 31 अगस्त 2024 | 10

छात्रसंघ चुनाव के लिए गोरखनाथ विवि में बना देश का पहला सॉफ्टवेयर

देसी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराने वाला पहला कॉलेज बनेगा एमपीपीजी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कोरोना काल में भी छात्रसंघ चुनाव कराकर प्रदेश में नजीर पेश करने वाले महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी), जंगल धूसड़ में इस बार छात्रसंघ चुनाव शनिवार को देसी तकनीक से बने साफ्टवेयर से ऑनलाइन होगा। महाविद्यालय इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से विकसित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन चुनाव कराने जा रहा है।

voting.mgug.ac.in नामक यह सॉफ्टवेयर देश में शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला सॉफ्टवेयर है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार (30 अगस्त) से शुरू चुनाव की प्रक्रिया बिना कक्ष संचालन में बाधा पहुंचाए शनिवार (31 अगस्त) तक यानी महज दो दिन में पूरी हो जाएगी।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्रसंघ चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि सॉफ्टवेयर महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय की आईटी (इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी) टीम ने तैयार किया है। कोरोना काल में पहली बार ऑनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था।

डॉ राव ने बताया कि शुक्रवार को कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 01, उपाध्यक्ष पद पर 01, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 कक्षा प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिला किया। अध्यक्ष पद पर वंशदीप रॉय ने पर्चा भरा। उपाध्यक्ष पद पर प्रियंका और महामंत्री पद पर शैलेष आनन्द एवं प्रियंका गुप्ता तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर विवेक कुमार मौर्या एवं सुमित चौरसिया ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।

31 अगस्त को सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक पर्चा वापसी और जांच की प्रक्रिया के बाद अपराह्न 2:10 बजे से प्रत्याशियों का योग्यता भाषण (क्वालिफाइंग स्पीच) होगा। इसके बाद शाम 4 से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान होगा और रात 11 बजे चुनाव परिणाम कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

छात्रसंघ चुनाव के लिए नामांकन करते विद्यार्थी। स्रोत : एमपीपीजी जंगल धूसड़

ऐसे होगा ऑनलाइन मतदान

छात्रसंघ चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान का सॉफ्टवेयर विकसित करने वाली महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी टीम के लीडर और इस विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर वी. सुमिथ ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कॉलेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरू होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा, जहां अलग अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे। प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नहीं है। कारण, एक मोबाइल नंबर से एक ही बार लॉगिन होगा और दूसरा इसे इस तरह से विकसित किया गया है, जिसकी कोडिंग को हैकर तोड़ नहीं पाएंगे।

गोरखपुर, शनिवार, 31 अगस्त 2024 | 04 | हिन्दुस्तान

ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव को विवि ने तैयार किया स्वदेशी सॉफ्टवेयर

गोरखनाथ विवि

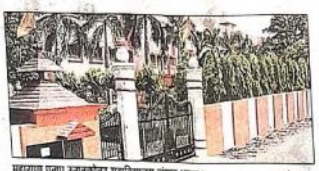

- विवि प्रशासन का दावा- देश में पहली बार सॉफ्टवेयर की मदद से ऑनलाइन होगा चुनाव
- नए सॉफ्टवेयर से होगा एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के छात्रसंघ का चुनाव
- शनिवार को शाम 6 से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपी पीजी) जंगल धूसड़ ने एक और नवाचार किया है। यह नवाचार छात्रसंघ चुनाव को लेकर किया गया है। महाविद्यालय इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन चुनाव कराने जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर देश मे शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला सॉफ्टवेयर है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार से शुरू चुनाव की प्रक्रिया बिना कक्ष संचालन में बाधा पहुंचाए शनिवार तक महज दो दिन में पूरी हो जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्रसंघ चुनाव के निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि शुक्रवार को कक्षा संचलन के साथ ही विद्यार्थियों के मासिक मूल्यांकन, व्यवहार और आचरण के आधार पर कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। वहां छात्रसंघ चुनाव में पदाधिकारी का चुनाव लड़ने के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। शनिवार को सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक पर्चा वापसी होगी। जांच की प्रक्रिया के बाद अपराह्न 2:10 बजे से प्रत्याशियों का योग्यता भाषण (क्वालिफाइंग स्पीच) होगा। इसके बाद शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान होगा। रात 11 बजे चुनाव परिणाम कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

स्वदेशी है यह साफ्टवेयर : डॉ. राव ने बताया कि चुनाव में ऑनलाइन मतदान के लिए पहली बार स्वदेशी सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in का प्रयोग किया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर महायोगी गोरखनाथ विवि की आईटी टीम ने तैयार किया है। गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में भी ऑनलाइन मतदान के लिए इसी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा।

कोरोना काल में छात्रसंघ चुनाव कराने वाला यूपी का पहला कॉलेज: इसके पहले महाराणा प्रताप महाविद्यालय में कोरोना काल में पहली बार ऑनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था। कोरोना काल मे छात्रसंघ चुनाव कराने वाला यह उत्तर प्रदेश का पहला कॉलेज था।

महाराणा प्रताप स्नातकोतर महाविद्यालय जंगल धूसड़।

सॉफ्टवेयर से ऐसे होगा ऑनलाइन मतदान

विश्वविद्यालय की आईटी टीम के लीडर व असिस्टेंट प्रोफेसर वी. सुमिथ ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कॉलेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरु होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा जहां अलग अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे। प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नही है।

वंशदीप अध्यक्ष, प्रियंका चुनी गई महामंत्री

स्वदेशी साफ्टवेयर में आनलाइन मोड में हुआ एमपी पीजी कालेज का छात्रसंघ चुनाव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित छात्रसंघ चुनाव शनिवार की देर रात सम्पन्न हो गया। स्वदेशी साफ्टवेयर की मदद से हुए आनलाइन मतदान के मात्र दो घंटे बाद ही कालेज प्रबंधन ने वेबसाइट पर परिणाम जारी कर दिया। अकेले प्रत्याशी होने के चलते वंशदीप राय निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वहीं आनलाइन मतदान के जरिये वोट के आधार पर प्रियंका गुप्ता को महामंत्री और सुमित चौरसिया को पुस्तकालय मंत्री चुना गया।

छात्रसंघ चुनाव के निर्वाचन अधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया दो दिन में सम्पन्न करायी गयी। शुक्रवार को कक्षा संचालन के साथ ही मासिक मूल्यांकन के माध्यम से कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। अगले दिन शनिवार को भी कक्षा संचालन के साथ ही पर्चा वापसी और जांच के बाद प्रत्याशियों का योग्यता भाषण हुआ। शाम छह बजे से रात्रि नौ बजे तक विद्यार्थी मतदाताओं ने साफ्टवेयर के माध्यम से आनलाइन अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रात 11 बजे महाविद्यालय के वेबसाइट पर चुनाव परिणाम जारी कर दिया गया।

निर्वाचन अधिकारी डा. राव ने बताया कि महामंत्री पद पर प्रियंका गुप्ता ने अपने प्रतिद्वंद्वी शैलेश आनन्द को 152 मतों से पराजित किया। प्रियंका को 345 मत तथा शैलेश को 193 मत प्राप्त हुए। पुस्तकालय मंत्री पद पर सुमित चौरसिया ने अपने प्रतिद्वंद्वी विवेक कुमार मौर्य को 112 मतों से हराया।

सुमित को 325 और विवेक को 213 मत हासिल हुए। 47 मतदाता विद्यार्थियों ने दोनों पदों पर नोटा का विकल्प चुना। उपाध्यक्ष पद पर एकल प्रत्याशी का पर्चा अवैध होने के कारण निरस्त कर दिया गया।

इस पद पर अब तीन सितंबर को चुनाव होगा। डा. राव ने विजयी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और उनसे कालेज के शिक्षण व प्रबंधन कार्य में सहयोग की उम्मीद की है।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ • जागरण

वंशदीप राय

प्रियंका गुप्ता

सुमित चौरसिया

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज में पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र के एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जुलाई माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड, गोरखपुर